समर एक्सप्रेस

www.summerexpress.in

सूर्योदय सुबह 5:38 बजे
सूर्यास्त शाम 7:09 बजे

R.N.I NO. CHMUL/25/A1155

• साल-1 • अंक-241 • पृष्ठ-8 • मूल्य-5 रूपये • वीरवार 7 मई 2026 • चंडीगढ़ • पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • ग्रुप एडिटर : अर्शदीप सिंह समर • एग्जीक्यूटिव एडिटर : चंदन स्वप्निल

न्यूज ब्रीफ

डल हाउसबोट में US पर्यटक की मौत

श्रीनगर| अमेरिका के एक पर्यटक की यहां डल झील में एक हाउस बोट में रहने के दौरान बेचैनी की शिकायत के बाद बुधवार को मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि जॉन डेविड एंडरसन अपनी पत्नी जूडिथ ऐनी मैक्कार्थी के साथ कश्मीर की यात्रा पर थे और वह आधी रात को बीमार पड़ गये। 83 वर्षीय एंडरसन को पास के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

नेपाल आने वाले वाहनों की रजिस्ट्रेशन जरूरी

काठमांडू| नेपाल सरकार ने सड़क मार्ग से आने वाले भारतीय और अन्य विदेशी पर्यटक वाहनों के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सुविधा अनिवार्य कर दी है। अब पर्यटक कस्टम विभाग की वेबसाइट पर वाहन की जानकारी भरकर ऑनलाइन शुल्क जमा कर सकेंगे। भुगतान के बाद ईमेल पर मिलने वाले QR कोड को सीमा पर दिखाकर नेपाल में प्रवेश मिलेगा।

हर पात्र व्यक्ति का बने आयुष्मान कार्ड: योगी

गोरखपुर| सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। इलाज के लिए आर्थिक सहायता मांगने पहुंचे लोगों से उन्होंने आयुष्मान कार्ड के बारे में जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि धन की कमी के कारण किसी का इलाज नहीं रुकना चाहिए।

सिटीजन रिपोर्टर

अब आप भी बन सकते हैं समर एक्सप्रेस के सिटीजन रिर्पोटर। अपने इलाके की कोई भी समस्या, आयोजन, जानकारी या खबर हमें भेजें। आपके नाम के साथ प्रकाशित की जाएगी। अपनी खबर इस फोन नंबर 7986630191 या ईमेल infosummerexpress@gmail.com पर भेजें।

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

If you want to publish your advertisement on our newspaper

समर एक्सप्रेस

CONTACT:
+91 6283 860 059

पंजाब में धमाके भाजपा ने कराए, ये इनकी माहौल खराब करने की कोशिश: CM मान

NIA और सुरक्षा एजेंसियां जांच में जुटीं, DGP ने पाकिस्तान कनेक्शन की जताई आशंका

समर न्यूज | चंडीगढ़/अमृतसर

इन दो अलग-अलग धमाकों के बाद राज्य की सियासत गरमा गई है। इन धमाकों को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जबकि पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने शुरुआती जांच में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की भूमिका से इनकार नहीं किया है।

आनंदपुर साहिब से शुकराना यात्रा के दौरान पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा कि ये ब्लास्ट भाजपा के चुनाव की तैयारी हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि भाजपा हर चुनाव से पहले माहौल खराब करने की कोशिश करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल चुनाव खत्म होने के बाद भाजपा नेताओं ने पंजाब की बात शुरू कर दी थी और अब राज्य में हुए ये छोटे धमाके उनकी चुनावी रणनीति का हिस्सा लगते हैं। मान ने कहा कि भाजपा हिंसा और डर का माहौल बनाकर राजनीति करना चाहती है। उन्होंने कहा कि पंजाब शांतिप्रिय राज्य है और यहां के लोग हमेशा भाईचारे और शांति का संदेश देते हैं। उन्होंने भाजपा को ऐसी गतिविधियों से दूर रहने की चेतावनी दी। मुख्यमंत्री ने बेअदबी विरोधी कानून का भी जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा इस कानून से परेशान है, क्योंकि अब धार्मिक मामलों को भड़काकर राजनीति करना आसान नहीं रहेगा।

वहीं, पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने अमृतसर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच में दोनों धमाकों में आईईडी के इस्तेमाल की आशंका है। जालंधर धमाके में टाइमर या रिमोट कंट्रोल तकनीक इस्तेमाल होने की संभावना जताई गई है।

डीजीपी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की बरसी के मद्देनजर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई राज्य का माहौल खराब करने की कोशिश कर सकती है। उन्होंने कहा कि पंजाब एक सीमावर्ती राज्य है और लंबे समय से प्रॉक्सी वॉर का सामना कर रहा है, लेकिन पुलिस जल्द आरोपियों तक पहुंच जाएगी।

इस बीच सोशल मीडिया पर खालिस्तानी लिबरेशन आर्मी (KLA) के नाम से एक पोस्टर वायरल हुआ, जिसमें जालंधर धमाके की जिम्मेदारी लेने का दावा किया गया।

फिलहाल पुलिस, बीएसएफ, एनआईए और फॉरेंसिक टीमें मामले की जांच में जुटी हुई हैं और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

जांच में जुटीं एजेंसियां

दोनों घटनाओं के बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) की टीमें जालंधर और अमृतसर पहुंच गई हैं। सुरक्षा एजेंसियां सबूत जुटाने में लगी हैं। सूत्रों के मुताबिक, खुफिया एजेंसियां इन धमाकों के पीछे आतंकी साजिश और पाकिस्तान कनेक्शन की भी जांच कर रही हैं। इन धमाकों की टाइमिंग को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि यह घटनाएं 'ऑपरेशन सिंदूर' की पहली बरसी के आसपास हुई हैं। फिलहाल पूरे पंजाब में हाई अलर्ट जारी है।

मंगलवार रात 8 बजे पहला धमाका

पहला धमाका मंगलवार रात 8 बजे जालंधर में BSF पंजाब फ्रंटियर मुख्यालय के बाहर हुआ। एक डिलीवरी बॉय की स्कूटी में जोरदार विस्फोट हुआ, जिसके बाद स्कूटी में आग लग गई। BSF के एक एएसआई को छर्रे लगने से चोट आई है। शुरुआती जांच में ग्रेनेड अटैक या स्कूटी में रखे पार्सल में विस्फोटक होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने डिलीवरी बॉय को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

मंगलवार रात 10:50 बजे दूसरा धमाका

पहले धमाके की जांच जारी थी कि करीब तीन घंटे बाद अमृतसर के खासा इलाके में आर्मी कैंट के पास दूसरा धमाका हो गया। यह विस्फोट रात 10:50 बजे हुआ। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। मौके पर बम निरोधक दस्ता और फॉरेंसिक टीम पहुंची। शुरुआती जांच में IED या ग्रेनेड हमले की आशंका जताई गई है।

सियासी बोल

एनसी अध्यक्ष **फारूक अब्दुल्ला** ने कहा कि अरे हिंदुस्तान में ऐसे धमाके होते रहते हैं, इसमें कौन सी नई बात है।

शिअद नेता **दलजीत सिंह चीमा** ने कहा कि भगवंत मान का बयान राष्ट्र विरोधी बयान है। उन्होंने प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष **अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग** ने कहा कि जानबूझकर ऐसी घटनाओं को होने दिया जा रहा है।

भाजपा नेता **जयवीर शेरगिल** ने कहा कि भगवंत सिंह मान किसके इशारे पर पाकिस्तान को क्लीन चिट दे रहे हैं।

केंद्रीय राज्यमंत्री **रवनीत सिंह बिट्टू** ने पलटवार करते हुए कहा कि रोजाना ब्लास्ट हो रहे हैं। ग्रेनेड फेंके जा रहे हैं। पंजाब के हालात बिगड़े हुए हैं। मुख्यमंत्री ने जो बयान दिया है कि बीजेपी ने ब्लास्ट करवाया है, वह वाहियात है। उन्होंने मुख्यमंत्री को चैलेंज किया- अगर हिम्मत है तो बीजेपी के नाम पर पर्चा दर्ज करवाओ। उनके नाम पर करवाओ।

न्यूयॉर्क में बुजुर्ग सिख टैक्सी ड्राइवर पर हमला

न्यूयॉर्क| अमेरिका के न्यूयॉर्क सिटी में एक बुजुर्ग सिख टैक्सी ड्राइवर पर हमले की घटना सामने आई है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना के बाद सिख समुदाय में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। वायरल वीडियो में दिखाई दे रहा है कि सड़क किनारे किसी बात को लेकर बहस के दौरान एक व्यक्ति ने बुजुर्ग सिख ड्राइवर को जोर से धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया। हमलावर ने ड्राइवर पर दूसरी गाड़ी को टक्कर मारने का आरोप लगाया था। वीडियो में आरोपी को धमकी भरे अंदाज में बात करते हुए भी सुना जा सकता है। इसके बाद उसने बुजुर्ग ड्राइवर को धक्का दे दिया, जिससे वह सड़क पर गिर गए। हालांकि हमले में ड्राइवर को चोटें आई हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर साझा जानकारी के मुताबिक उनकी हालत फिलहाल स्थिर है और वह सुरक्षित हैं। घटना के बाद कई सिख संगठनों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। संगठनों ने इस हमले की निंदा करते हुए दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। सामुदायिक नेताओं ने कहा कि टैक्सी ड्राइविंग जैसे पेशों में काम करने वाले बुजुर्ग प्रवासी अक्सर असुरक्षित महसूस करते हैं और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब हाल के दिनों में सिख समुदाय के खिलाफ हमलों की कई घटनाएं सामने आई हैं।

TMC दफ्तर पर बुलडोजर, 4 की मौत; चुनाव आयोग सख्त

- ममता-अभिषेक के घरों से अतिरिक्त सुरक्षा हटाई गई
- हिंसा रोकने को ECI ने दिए तुरंत कार्रवाई के निर्देश

एजेंसी | नई दिल्ली/कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद राज्य में हिंसा और राजनीतिक तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। कोलकाता के न्यू मार्केट इलाके में मंगलवार रात भीड़ ने तृणमूल कांग्रेस (TMC) के एक पार्टी कार्यालय पर बुलडोजर चला दिया। इस दौरान आसपास की दुकानों में भी तोड़फोड़ की गई।

टीएमसी ने घटना का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर शेयर करते हुए भाजपा पर निशाना साधा और लिखा कि यह भाजपा का "परिवर्तन मॉडल" है।

इधर, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी के आवास के बाहर से अतिरिक्त पुलिस सुरक्षा हटा दी गई है। बुधवार सुबह दोनों आवासों के बाहर अतिरिक्त पुलिस बल नजर नहीं आया। हालांकि अभिषेक बनर्जी की Z कैटेगरी सुरक्षा पहले की तरह जारी रहेगी। राज्य में पिछले 24 घंटों के भीतर चार राजनीतिक कार्यकर्ताओं की हत्या की खबर सामने आई है। भाजपा ने उत्तर 24 परगना और हावड़ा में अपने दो कार्यकर्ताओं की हत्या का आरोप टीएमसी पर लगाया है। वहीं टीएमसी का दावा है कि कोलकाता और बीरभूम में उसके दो कार्यकर्ताओं की भाजपा समर्थकों ने हत्या की। बढ़ती हिंसा को देखते हुए चुनाव आयोग ने सख्त रुख अपनाया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव, डीजीपी, कोलकाता पुलिस आयुक्त, केंद्रीय सुरक्षा बलों के अधिकारियों, जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को संवेदनशील इलाकों में लगातार गश्त और निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

आयोग ने स्पष्ट कहा है कि हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ में शामिल लोगों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए। राज्य में हालात संभालने के लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की करीब 500 कंपनियां पहले से तैनात हैं। फ्लैग मार्च और सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ा दी गई है।

कांग्रेस ने समर्थन दिया TVK को पीठ में छुरा घोंपा : DMK

एजेंसी | नई दिल्ली/चेन्नई

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद राज्य में नई सरकार के गठन को लेकर हलचल तेज है। अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (TVK) 234 सदस्यीय विधानसभा में 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, हालांकि वह बहुमत के आंकड़े से कुछ सीटें दूर रह गई।

इसी बीच तमिलनाडु कांग्रेस ने राज्य में 'सेक्युलर सरकार' बनाने के लिए TVK प्रमुख विजय को समर्थन देने का फैसला किया है। कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बताया जा रहा है कि विजय ने सरकार बनाने के लिए कांग्रेस से समर्थन मांगा था, जिसके बाद पार्टी नेतृत्व ने राज्य इकाई को अंतिम फैसला लेने को कहा।

कांग्रेस ने कहा कि तमिलनाडु में जनादेश सेक्युलर सरकार के पक्ष में है और पार्टी किसी भी स्थिति में भाजपा या उसके सहयोगियों को राज्य की सत्ता में आने नहीं देना चाहती। कांग्रेस ने तमिलनाडु में 5 सीटें जीती हैं। विजय ने समर्थन और शुभकामनाओं के लिए राहुल गांधी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता तमिलनाडु के लोगों की सेवा और राज्य की सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखना रहेगा। राहुल गांधी ने भी विजय को चुनावी प्रदर्शन के लिए बधाई दी और इसे युवाओं की उभरती आवाज बताया। कांग्रेस के फैसले पर डीएमके ने नाराजगी जताई है। डीएमके प्रवक्ता सरवनन अन्नादुरई ने इसे मूर्खतापूर्ण फैसला और पीठ में छुरा घोंपने जैसा कदम बताया। डीएमके ने कांग्रेस का हमेशा साथ दिया, लेकिन नतीजों के बाद कांग्रेस ने पाला बदल लिया। डीएमके ने सवाल उठाया कि जब TVK को बहुमत के लिए अतिरिक्त समर्थन की जरूरत है और AIADMK जैसी बड़ी पार्टी भी समर्थन दे सकती है, तो कांग्रेस का यह कदम राजनीतिक रूप से कितना प्रभावी होगा।

पानी-ड्रेनेज और आवारा कुत्तों का मुद्दा हावी

वार्ड 10, 11, 12 में बाहरी वोटर बनेंगे गेमचेंजर

समर न्यूज | पंचकूला

नगर निगम चुनाव में वार्ड 10, 11 और 12 इस बार सबसे ज्यादा चर्चा में हैं, जहां मुकाबला केवल प्रत्याशियों के बीच नहीं बल्कि बाहरी वोट बैंक, बिरादरी समीकरण और स्थानीय समस्याओं के इर्द-गिर्द घूम रहा है। प्रवासी मतदाता, पारंपरिक वोटों का बंटवारा और मूलभूत सुविधाओं की कमी चुनावी तस्वीर बदल सकती है।

ग्राउंड रिपोर्ट में सामने आया कि तीनों वार्डों में पेयजल संकट, टूटी सड़कें, जलभराव, सफाई व्यवस्था और आवारा कुत्तों की समस्या लोगों के लिए बड़ी परेशानी बनी हुई है। पिछले चुनावी नतीजों और इस बार बदले समीकरणों ने मुकाबले को और दिलचस्प बना दिया है।

▪ वार्ड-10: बाहरी वोट बैंक पर नजर...

वार्ड 10 में अभयपुर, सेक्टर-14 और इंडस्ट्रियल एरिया फेज-1 शामिल हैं। यहां यूपी-बिहार से आए मतदाताओं की संख्या अच्छी है, जबकि जाट, वैश्य और पंजाबी वोटर भी अहम भूमिका में हैं। BJP ने शेखर पांडे पर दांव खेला है, जबकि कांग्रेस ने बलजीत सिंह को मैदान में उतारा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कच्ची गलियां, सीवरेज ओवरफ्लो और अनियमित पेयजल सप्लाई सबसे बड़ी समस्या है। यहां लोगों ने पेयजल संकट, जलभराव और आवारा पशुओं की समस्या को बड़ा मुद्दा बताया।

▪ वार्ड-11: त्रिकोणीय मुकाबले के आसार...

सेक्टर-12, 12-A और रैली गांव वाले इस वार्ड में पंजाबी, वैश्य और बाहरी मतदाता प्रभावी हैं। BJP ने अनुराधा पुरी को उम्मीदवार बनाया है, जबकि कांग्रेस ने अंजू को टिकट दिया है। पूर्व पार्षद ओमवती पूनिया भी निर्दलीय मैदान में हैं, जिससे मुकाबला रोचक हो गया है।

▪ वार्ड-12: डॉग मेनस बड़ा चुनावी मुद्दा...

सेक्टर-11, सेक्टर-4 और हरिपुर गांव वाले वार्ड 12 में पंजाबी-वैश्य वोटर निर्णायक माने जा रहे हैं। हरिपुर गांव में बाहरी वोटर भी बड़ी संख्या में हैं। दोनों प्रमुख दलों ने पंजाबी समुदाय के उम्मीदवार उतारे हैं। यहां जल निकासी व्यवस्था बदहाल है और आवारा कुत्तों का आतंक लोगों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। स्थानीय लोगों का दावा है कि बीते दिनों कई लोगों को कुत्ते काट चुके हैं, लेकिन निगम की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

कुल मिलाकर, इन तीन वार्डों में जातीय समीकरणों से ज्यादा इस बार जनता की रोजमर्रा की समस्याएं चुनावी नतीजों पर असर डाल सकती हैं। -पढ़ें पेज 8

पेज 1 एंकर स्टोरी | HPBOSE की छठी कक्षा की अंग्रेजी बुक में अनुवाद की चूक

किन्नौर बना ट्रांसजेंडर, मंडी को लिखा मार्केट, कई गलतियां

समर न्यूज | शिमला

शिक्षा के क्षेत्र में देशभर में पहचान रखने वाले हिमाचल प्रदेश में अब स्कूली शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड (HPBOSE) की छठी कक्षा की एक पुस्तक में ऐसी गंभीर त्रुटियां सामने आई हैं, जिसने विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दरअसल, छठी कक्षा में पढ़ाई जाने वाली पुस्तक 'हिमाचल की लोक संस्कृति और योग' के अंग्रेजी माध्यम संस्करण में कई चौंकाने वाली गलतियां देखने को मिली हैं। सबसे बड़ी गलती यह है कि जनजातीय जिला किन्नौर का अनुवाद 'ट्रांसजेंडर' कर दिया गया, जबकि मंडी जिले को 'मार्केट' लिख दिया गया। बताया जा रहा है कि अनुवाद के दौरान तकनीकी टूल या ऑटो ट्रांसलेशन का इस्तेमाल किया गया, जिसमें 'किन्नौर' को 'किन्नर' समझ लिया गया और गलत अनुवाद प्रकाशित हो गया। इसी तरह 'मंडी' शब्द का अर्थ बाजार समझते हुए उसे 'मार्केट' लिखा गया।

छठी कक्षा की किताब में गंभीर त्रुटियां, शिक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

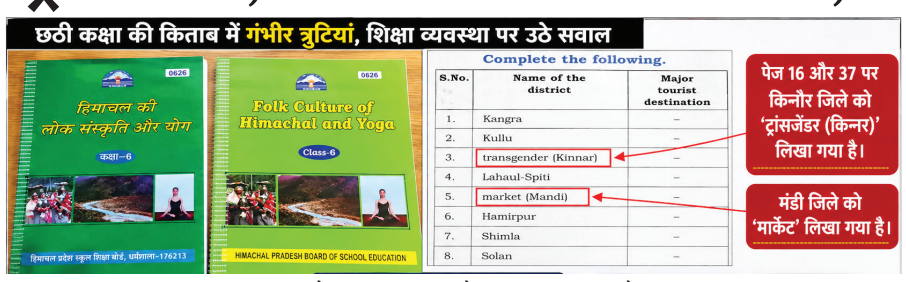

हैरानी की बात यह है कि यह पुस्तक छपने के बाद स्कूलों तक पहुंच गई, लेकिन किसी स्तर पर इन गलतियों को नहीं पकड़ा गया। इससे शिक्षा बोर्ड की गुणवत्ता जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। पुस्तक के पेज नंबर 16 और 37 पर किन्नौर की जगह 'ट्रांसजेंडर' लिखा गया है। वहीं, एक अन्य पेज पर वर्ष 1972 की जगह 19712 छपा हुआ है, जिससे विद्यार्थियों को गलत जानकारी मिलने की आशंका है। राजधानी शिमला के गवर्नमेंट मॉडल गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पोर्टमोर की प्रिंसिपल राखी पंडित ने इसे बेहद गंभीर मामला बताया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ प्रिंटिंग मिस्टेक नहीं बल्कि शिक्षा विभाग की बड़ी लापरवाही है।

भाषाविदों का भी मानना है कि केवल तकनीक पर निर्भर रहकर अनुवाद करने का नतीजा ऐसी गलतियों के रूप में सामने आता है। उनका कहना है कि किसी भी शैक्षणिक सामग्री को प्रकाशित करने से पहले विशेषज्ञों द्वारा जांच जरूरी है। किन्नौर से जुड़े लोगों ने भी इस गलती पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि जिले की सांस्कृतिक पहचान के साथ इस तरह की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती। अब इस पूरे मामले के सामने आने के बाद शिक्षा विभाग और हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। लोगों की मांग है कि जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई हो और भविष्य में ऐसी गलतियों को रोकने के लिए सख्त व्यवस्था बनाई जाए।